भारत सरकाररसायन और उर्वरक मंत्रालय

उर्वरक विभाग

**राज्‍य सभा** अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 1134

जिसका उत्‍तर शुक्रवार, 16 अगस्‍त 2013/25 श्रावण, 1935 (शक) को दिया जाना है।

**उर्वरक एवं गैस परिसम्‍पत्तियां**

**1134. श्री बैष्‍णव परिडा:**

क्‍या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्‍या सरकार विदेश में उर्वरक एवं गैस संबंधी परिसम्‍पत्तियां खरीदने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो तत्‍संबंधी ब्‍यौरा क्‍या है;

(ग) क्‍या सरकार हमा‍री भविष्‍य की आवश्‍यकताओं को पूरा करने के लिए देश में उपर्युक्‍त परिसम्‍पत्तियों में वृद्धि करने का भी विचार रखती है;

(घ) यदि हां, तो तत्‍संबंधी ब्‍यौरा क्‍या है; और

(ड.) देश में ही ऐसी परिसम्‍पत्तियों का पर्याप्‍त विकास करने की क्‍या कार्य योजना है?

**उत्‍तर**

**रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार) तथा सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्‍वयन मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार) (श्री श्रीकांत कुमार जेना)**

**(क) और (ख):** सरकार एन, पी एवं के उर्वरक के लिए कच्‍ची सामग्री की आवश्‍यकता को पूरा करने के लिए उर्वरक कंपनियों को संयुक्‍त उद्यम परियोजनाएं स्‍थापित करने की संभावनाओं को खोजने, विदेश में परिसम्‍पत्तियों का अर्जन करने और विदेशी कंपनियों के साथ दीर्घावधिक अनुबंध करने के लिए प्रोत्‍साहित करती है। भारतीय कंपनियों के पहले ही ओमान, सेनेगल मोरक्‍को, ट्यूनिशिया, जार्डन एवं नाइजीरिया में संयुक्‍त उद्यम हैं। घाना, टोगो, बेलारूस, कनाडा, रूस, यूक्रेन, ईरान, इराक, जार्डन और अल्‍जीरिया इत्‍यादि जैसे देशों के साथ उर्वरक क्षेत्र में सहयोग किया जा रहा है।

**(ग) से (ड.):** देश में कच्‍ची सामग्री की अनुपलब्‍धता के कारण भारत फास्‍फेटयुक्‍त (पी) एवं पोटाशयुक्‍त (के) उर्वरकों की आपूर्ति के लिए आयात पर पूरी तरह निर्भर है। भारत में केवल रॉक फास्‍फेट का थोड़ा सा भंडार है लेकिन वह सीमित मात्रा में और खराब गुणवत्‍ता का है जिसे केवल एसएसपी के उत्‍पादन के लिए उपयोग किया जा सकता है। तथापि, घरेलू गैस, आयातित एलएनजी एवं नेफ्था के उपयोग द्वारा उत्‍पादित यूरिया के जरिए आत्‍म निर्भरता को प्राप्‍त किया जा सकता है। सरकार ने नए निवेश को आमंत्रित करने एवं आयात पर देश की निर्भरता को घटाने के लिए यूरिया क्षेत्र हेतु नई निवेश नीति (एनआईपी)-2012 घोषित की है। इसके जवाब में 14 कंपनियों (पीएसयू समेत) ने देश में ग्रीनफील्‍ड/ब्राऊनफील्‍ड यूरिया परियोजनाओं की स्‍थापना में रुचि दिखाई है। परन्‍तु, देश में इन प्रस्‍तावित यूरिया परियोजनाओं के लिए पर्याप्‍त घरेलू गैस की उपलब्‍धता एक बाधक कारक है।

\*\*\*\*\*